हे गणनायक हे गजानन

हे गणनायक हे गजानन , हे गणनायक हे गजानन
प्रथम तुमको नमन करें , प्रथम तुमको नमन करें
तुम हो प्रखर बुद्धि के स्वामी तुम सम जगत में कोई न ज्ञानी
बुद्धि परीक्षा जब शिव ने लीन्ही, तब तुमने उनकी प्रदिक्षणा किन्ही
गौरा मन ही मन हरषाई , शिव जी बोले तुम महाज्ञानी
हे गणनायक हे गजानन , हे गणनायक हे गजानन
प्रथम तुमको नमन करें , प्रथम तुमको नमन करें
ऋद्धि सिद्धि तुमरे आधीना , तुमरी महिमा कोई न जाना
मेरी इतनी अरज है तुमसे मुख से न निकले कभी कटु वाणी
जब मृत्यु निकट मेरे आये द्वार तुम्हरे वो ले जाए
हे गणनायक हे गजानन , हे गणनायक हे गजानन
प्रथम तुमको नमन करें , प्रथम तुमको नमन करें
लेखिका और प्रेषक
प्रियंका अग्निहोत्री

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2915/title/hey-gan-nayak-hey-gajanan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |